जम्मू और कश्मीर बजट विश्लेषण

2025-26

जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री श्री उमर अब्दुल्ला ने 7 मार्च, 2025 को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए राज्य का बजट पेश किया। इस विश्लेषण के आंकड़े वार्षिक वित्तीय विवरण 2025-26 से लिए गए हैं। हालांकि कैग द्वारा तैयार किए गए अनंतिम आंकड़ों की तुलना में 2023-24 के वास्तविक आंकड़ों में कुछ विसंगतियां हैं। अधिक जानकारी के लिए, पेज 3 पर दिए गए बॉक्स को देखें।

बजट के मुख्य अंश

- 2025-26 के लिए जम्मू और कश्मीर का **सकल राज्य घरेलू उत्पाद** (जीएसडीपी) (वर्तमान मूल्यों पर) 2,88,422 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो 2024-25 की तुलना में 10% की वृद्धि दर्शाता है।
- 2025-26 में **व्यय (ऋण चुकौती को छोड़कर)** 1,06,641 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो 2024-25 के संशोधित अनुमानों से 3% अधिक है। इसके अतिरिक्त राज्य 33,669 करोड़ रुपए का ऋण चुकाएगा।
- 2025-26 के लिए **प्राप्तियां (उधारियों को छोड़कर)** 90,535 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो 2024-25 के संशोधित अनुमानों की तुलना में 2% अधिक है।
- 2025-26 में **राजस्व अधिशेष** जीएसडीपी का 3.8% (10,826 करोड़ रुपए) रहने का अनुमान है, जबकि 2024-25 में संशोधित अनुमान स्तर पर राजस्व अधिशेष जीएसडीपी का 1.9% (4,925 करोड़ रुपए) रहने का अनुमान है।
- 2025-26 के लिए **राजकोषीय घाटा** जीएसडीपी के 5.6% (16,107 करोड़ रुपए) पर लक्षित है। संशोधित अनुमानों के अनुसार, 2024-25 में राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 5.6% रहने की उम्मीद है जो बजट में जीएसडीपी के 3.4% के अनुमान से अधिक है।

नीतिगत विशिष्टताएं

- **स्वास्थ्य सेवा**: सरकारी अस्पतालों में ऑनलाइन टेलीकंसल्टेशन सेवाएं और डॉक्टर से अपॉइंटमेंट लेने के लिए SEHAT ऐप शुरू किया जाएगा। यह ऐप प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना-SEHAT बीमा के साथ एकीकृत एक डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड प्रणाली प्रदान करेगा।
- **उद्यमिता और रोजगार**: पांच वर्षों में 1,37,000 उद्यम और 4,25,000 नौकरियां सृजित करने के उद्देश्य से मिशन युवा शुरू किया जाएगा। इसमें कौशल विकास कार्यक्रम शुरू करना और रोज़गार मेले आयोजित करना भी शामिल होगा।
- **महिलाओं के लिए मुफ्त सार्वजनिक परिवहन**: जम्मू और कश्मीर की सभी महिलाओं को अप्रैल 2025 से ई-बसों सहित सरकारी स्वामित्व वाले सार्वजनिक परिवहन में मुफ्त यात्रा की सुविधा दी जाएगी।
- **खाद्य सुरक्षा**: सभी अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) लाभार्थियों को पोषण संबंधी सहायता सुनिश्चित करने के लिए 10 किलोग्राम का बढ़ा हुआ मुफ्त राशन प्रदान किया जाएगा।

शिरीन पजनू
shirin@prsindia.org

15 मई, 2025

जम्मू और कश्मीर की अर्थव्यवस्था

- **जीएसडीपी**: 2024-25 में जम्मू और कश्मीर की जीएसडीपी (स्थिर मूल्यों पर) पिछले वर्ष की तुलना में 7% बढ़ने का अनुमान है। इसकी तुलना में, भारत की जीडीपी 2023-24 में 9.2% बढ़ने का अनुमान है।
- **क्षेत्र**: 2024-25 में जम्मू और कश्मीर की अर्थव्यवस्था में कृषि, मैन्यूफैक्चरिंग और सेवा क्षेत्रों का योगदान क्रमशः 20%, 18% और 62% होने का अनुमान है (वर्तमान मूल्यों पर)।
- **प्रति व्यक्ति जीएसडीपी**: 2024-25 में जम्मू और कश्मीर की प्रति व्यक्ति जीएसडीपी (वर्तमान मूल्यों पर) 1,92,898 रुपए होने का अनुमान है जो 2023-24 से 10% अधिक है। 2023-24 में भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी 2022-23 की तुलना में 11% बढ़कर 2,15,935 रुपए होने का अनुमान है।

रेखाचित्र 1: जम्मू और कश्मीर में स्थिर मूल्यों पर जीएसडीपी (2011-12))

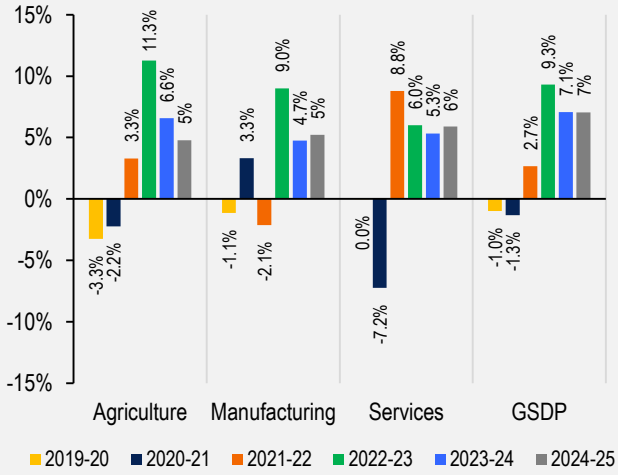

नोट: ये आंकड़े स्थिर कीमतों (2011-12) के अनुसार हैं, जिसका अर्थ है कि विकास दर को मुद्रास्फीति के लिए समायोजित किया गया है। स्रोत: एमओएसपीआई; पीआरएस।

2025-26 के लिए बजट अनुमान

- 2025-26 में 1,06,641 करोड़ रुपए के **कुल व्यय (ऋण चुकौती को छोड़कर)** का लक्ष्य है। यह 2024-25 के संशोधित अनुमान से 3% अधिक है। यह व्यय 90,535 करोड़ रुपए की **प्राप्तियों (उधारियों को छोड़कर)** और 8,653 करोड़ रुपए की शुद्ध उधारी के माध्यम से पूरा किया जाना प्रस्तावित है। 2025-26 के लिए कुल प्राप्तियों (उधारियों के अलावा) में 2024-25 के संशोधित अनुमान की तुलना में 2% की वृद्धि दर्ज होने की उम्मीद है।
- राज्य का अनुमान है कि 2025-26 में **राजस्व अधिशेष** जीएसडीपी का 3.8% (10,826 करोड़ रुपए) होगा, जबकि 2024-25 के संशोधित अनुमान चरण में राजस्व अधिशेष जीएसडीपी का 1.9% (4,925 करोड़ रुपए) होगा।
- 2025-26 के लिए **राजकोषीय घाटा** जीएसडीपी के 5.6% (16,107 करोड़ रुपए) पर लक्षित है, जिसमें 2024-25 के संशोधित अनुमानों की तुलना में 1,441 करोड़ रुपए की वृद्धि है।

तालिका 1: बजट 2025-26- मुख्य आंकड़े (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
कुल व्यय	83,091	1,51,526	1,38,381	-9%	1,40,310	1%
(-) ऋण का पुनर्भुगतान	0	44,846	35,204	-22%	33,669	-4%
शुद्ध व्यय (E)	**83,091**	**1,06,680**	**1,03,176**	**-3%**	**1,06,641**	**3%**
कुल प्राप्तियां	58,560	1,50,473	1,33,480	-11%	1,32,857	-0.5%
(-) उधारियां	0	52,748	44,970	-15%	42,322	-6%
शुद्ध प्राप्तियां (R)	**58,560**	**97,725**	**88,510**	**-9%**	**90,535**	**2%**
राजकोषीय घाटा (E-R)*	**24,531**	**8,955**	**14,666**	**64%**	**16,107**	**10%**
जीएसडीपी का %	10.0%	3.4%	5.6%		5.6%	
राजस्व संतुलन*	**-22,493**	**16,234**	**4,925**	**-70%**	**10,826**	**120%**
जीएसडीपी का %	9.2%	6.2%	1.9%		3.8%	
प्राथमिक घाटा	**24,531**	**-1,317**	**4,395**	**-434%**	**4,589**	**4%**
जीएसडीपी का %	10.0%	-0.5%	1.7%		1.6%	
जीएसडीपी	2,45,022	2,63,399	2,63,399	0%	2,88,422	10%

नोट: बअ बजट अनुमान है; संअ संशोधित अनुमान है। *राजकोषीय घाटा और राजस्व अधिशेष के आंकड़े बजट दस्तावेजों से मेल नहीं खा सकते हैं। केंद्र शासित प्रदेश ने राजस्व प्राप्तियों में संशोधित अनुमान 2024-25 में 4,900 करोड़ रुपए और बजट अनुमान 2025-26 में 7,453 करोड़ रुपए की संपत्ति मुद्रीकरण से प्राप्तियों को शामिल किया है। हमारी गणना के अनुसार, संपत्ति मुद्रीकरण से प्राप्तियों को राजस्व प्राप्तियों में शामिल नहीं किया गया है क्योंकि यह एएफएस का हिस्सा नहीं है। स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, जम्मू और कश्मीर बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

2025-26 का व्यय

- 2025-26 के लिए राजस्व व्यय 79,703 करोड़ रुपए प्रस्तावित है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान (83,580 करोड़ रुपए) से 5% कम है। इसमें वेतन, पेंशन, ब्याज, अनुदान और सबसिडी पर होने वाला व्यय शामिल है।
- 2025-26 के लिए **पूंजीगत परिव्यय** 26,836 करोड़ रुपए प्रस्तावित है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान (19,568 करोड़ रुपए) से 37% अधिक है। पूंजीगत परिव्यय, परिसंपत्तियों के निर्माण पर होने वाले व्यय को दर्शाता है।
- 2025-26 में राज्य द्वारा ऋण और एडवांस 102 करोड़ रुपए अनुमानित हैं, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान की तुलना में 252% अधिक है।

वित्तीय रिपोर्टिंग में विसंगतियां: एएफएस बनाम कैग के आंकड़े

जम्मू-कश्मीर वार्षिक वित्तीय विवरण 2025-26 द्वारा प्रस्तुत वास्तविक आंकड़ों (2023-24) और नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) द्वारा तैयार किए गए एकाउंट्स में कुछ विसंगतियां हैं। कुछ अंतर नीचे दिए गए हैं:

तालिका 2: एएफएस और कैग द्वारा रिपोर्ट किए गए वास्तविक आंकड़े 2023-24 (करोड़ रुपये में)

मद	एएफएस	कैग
राजस्व व्यय	81,053	64,548
पूंजीगत परिव्यय	2,038	12,102
राजस्व प्राप्तियां	8,786	70,136
इनमें से		
स्वयं कर राजस्व	4,207	13,903
गैर कर राजस्व	4,579	6,459
सहायतानुदान	0	49,774

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, जम्मू और कश्मीर बजट दस्तावेज़ 2025-26, कैग; पीआरएस।

तालिका 3: बजट 2025-26 में व्यय (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
राजस्व व्यय	81,053	81,485	83,580	3%	79,703	-5%
पूंजीगत परिव्यय	2,038	25,165	19,568	-22%	26,836	37%
राज्य द्वारा दिए गए ऋण	0	29	29	0%	102	252%
शुद्ध व्यय	**83,091**	**1,06,680**	**1,03,176**	**-3%**	**1,06,641**	**3%**

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, जम्मू और कश्मीर बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

प्रतिबद्ध व्यय: राज्य के प्रतिबद्ध व्यय में आम तौर पर वेतन, पेंशन और ब्याज के भुगतान पर व्यय शामिल होता है। बजट के एक बड़े हिस्से को प्रतिबद्ध व्यय की मदों के लिए आवंटित करने से पूंजीगत परिव्यय जैसी अन्य व्यय प्राथमिकताओं पर फैसला लेने का राज्य का लचीलापन सीमित हो जाता है। 2025-26 में जम्मू और कश्मीर द्वारा प्रतिबद्ध व्यय पर 50,712 करोड़ रुपए खर्च करने का अनुमान है जो इसकी अनुमानित राजस्व प्राप्तियों का 56% है। इसमें वेतन (राजस्व प्राप्तियों का 26%), पेंशन (17%), और ब्याज भुगतान (13%) पर खर्च शामिल है।

तालिका 4: जम्मू और कश्मीर बजट 2025-26 में क्षेत्रवार व्यय (करोड़ रुपए में)

प्रतिबद्ध व्यय	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
वेतन	29,381	29,412	27,930	-5%	23,894	-14%
पेंशन	26,615	14,058	17,742	26%	15,300	-14%
ब्याज भुगतान	-	10,272	10,272	0%	11,518	12%
प्रतिबद्ध व्यय	**55,996**	**53,742**	**55,943**	**4%**	**50,712**	**-9%**

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, जम्मू और कश्मीर बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

क्षेत्रवार व्यय: 2025-26 के दौरान राज्य के बजटीय व्यय का **63%** हिस्सा निम्न क्षेत्रों के लिए खर्च किया जाएगा। अनुलग्नक 1 में प्रमुख क्षेत्रों में जम्मू और कश्मीर के व्यय की तुलना, अन्य राज्यों से की गई है।

तालिका 4: जम्मू और कश्मीर बजट 2025-26 में क्षेत्रवार व्यय (करोड़ रुपए में)

क्षेत्र	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
शिक्षा, खेल, कला एवं संस्कृति	11,535	16,098	15,192	15,216	0%
ऊर्जा	6,315	12,820	11,702	12,477	7%
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	4,085	8,333	7,685	8,814	15%
कृषि एवं संबद्ध गतिविधियां	3,201	6,592	6,405	6,855	7%
समाज कल्याण एवं पोषण	12,131	4,316	4,502	5,728	27%
ग्रामीण विकास	2,303	4,659	3,597	4,750	32%
शहरी विकास	1,251	3,776	3,144	3,793	21%
सड़कें और पुल	167	3,620	3,326	3,647	10%
जलापूर्ति एवं स्वच्छता	1,700	3,503	2,886	3,499	21%
पुलिस	8,449	6,626	6,010	2,563	-57%
सभी क्षेत्रों पर कुल व्यय का %	**62%**	**66%**	**62%**	**63%**	**-**

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, जम्मू और कश्मीर बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

2025-26 में प्राप्तियां

- 2025-26 के लिए **कुल राजस्व प्राप्तियां** 90,529 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 2% अधिक है। इसमें से 31,905 करोड़ रुपए (35%) राज्य **अपने संसाधनों** से जुटाएगा और 58,624 करोड़ रुपए (65%) **केंद्र से** प्राप्त होंगे।
- 2025-26 में **केंद्र से अनुदान** 58,624 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 0.8% कम है।
- **राज्य का स्वयं कर राजस्व**: जम्मू और कश्मीर का कुल स्वयं कर राजस्व 2025-26 में 21,550 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 3% अधिक है। 2025-26 में जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में स्वयं कर राजस्व 7.5% रहने का अनुमान है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान (7.9%) से कम है। 2023-24 के वास्तविक आंकड़ों के अनुसार, जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में स्वयं कर राजस्व 1.7% था।

तालिका 6: राज्य सरकार की प्राप्तियों का ब्रेकअप (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
राज्य के स्वयं कर	4,207	20,860	20,855	0%	21,550	3%
राज्य के स्वयं गैर कर	4,579	9,726	8,578	-12%	10,355	21%
केंद्र से अनुदान*	49,774	67,133	59,072	-12%	58,624	-1%
राजस्व प्राप्तियां**	**58,560**	**97,719**	**88,505**	**-9%**	**90,529**	**2%**
गैर ऋण पूंजीगत प्राप्तियां	0	6	5	-5%	5	0%
शुद्ध प्राप्तियां	**58,560**	**97,725**	**88,510**	**-9.4%**	**90,535**	**2%**

नोट: बअ बजट अनुमान है; संअ संशोधित अनुमान है। *केंद्र से प्राप्त अनुदानों की संख्या बजट पर एक नज़र दस्तावेज़ से ली गई है। **एएफएस के अनुसार, राजस्व प्राप्तियों में 2025-26 बजट अनुमान में 7,453 करोड़ रुपए का अतिरिक्त संसाधन जुटाना (एआरएम) शामिल है। स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, जम्मू और कश्मीर बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

- 2025-26 में **राज्य उत्पाद शुल्क** (15%) स्वयं कर राजस्व का सबसे बड़ा स्रोत होने का अनुमान है। राज्य उत्पाद शुल्क से प्राप्त राजस्व 2024-25 के संशोधित अनुमानों के लगभग समान रहने का अनुमान है।
- 2025-26 में बिक्री कर/वैट से प्राप्त राजस्व 2024-25 के संशोधित अनुमान चरण की तुलना में 5% अधिक होने की उम्मीद है।
- 2025-26 में राज्य उत्पाद शुल्क से प्राप्त राजस्व 2024-25 के संशोधित अनुमानों की तुलना में 15% अधिक होने का अनुमान है।

तालिका 7: राज्य के स्वयं कर राजस्व के मुख्य स्रोत (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
राज्य जीएसटी	-	14,000	14,000	0%	14,000	0%
राज्य उत्पाद शुल्क	2,486	2,600	2,600	0%	2,990	15%
सेल्स टैक्स/वैट	-	1,900	1,900	0%	1,995	5%
वाहन कर	908	1,400	1,400	0%	1,500	7%
स्टाम्प ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क	584	800	800	0%	900	13%
भूराजस्व	26	130	130	0%	135	4%

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, राजस्व बजट, जम्मू और कश्मीर बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

2025-26 के लिए घाटे, ऋण और एफआरबीएम के लक्ष्य

जम्मू और कश्मीर के राजकोषीय दायित्व और बजट प्रबंधन एक्ट, 2006 में राज्य सरकार की बकाया देनदारियों, राजस्व घाटे और राजकोषीय घाटे को उत्तरोतर से कम करने के लक्ष्यों का प्रावधान है।

राजस्व संतुलन: यह सरकार के राजस्व व्यय और राजस्व प्राप्तियों के बीच का अंतर होता है। राजस्व घाटे का यह अर्थ होता है कि सरकार को अपना व्यय पूरा करने के लिए उधार लेने की जरूरत है जोकि भविष्य में पूंजीगत परिसंपत्तियों का सृजन नहीं करेगा और न ही देनदारियों को कम करेगा। बजट में 2024-25 में 10,826 करोड़ रुपए (या जीएसडीपी का 3.8%) का राजस्व घाटा अनुमानित है।

राजकोषीय घाटा: यह कुल प्राप्तियों पर कुल व्यय की अधिकता होता है। यह अंतर सरकार द्वारा उधारियों के जरिए पूरा किया जाता है और राज्य सरकार की कुल देनदारियों में वृद्धि करता है। 2025-26 में राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 5.6% रहने का अनुमान है। 2025-26 के लिए केंद्र सरकार ने राज्यों को जीएसडीपी के 3% तक राजकोषीय घाटे की अनुमति दी है। बिजली क्षेत्र में कुछ सुधार करने के लिए जीएसडीपी के 0.5% तक अतिरिक्त उधार लेने की गुंजाइश भी उपलब्ध होगी। संशोधित अनुमान के अनुसार, 2024-25 में राज्य का राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 5.6% रहने की उम्मीद है।

बकाया ऋण: बकाया ऋण एक वित्तीय वर्ष के अंत में कुल उधार का संचय होता है। 2023-24 के अंत में बकाया ऋण जीएसडीपी का 51% होने का अनुमान है जो 2022-23 (जीएसडीपी का 48%) से अधिक है।

रेखाचित्र 2: राजस्व एवं राजकोषीय संतुलन (जीएसडीपी का %)

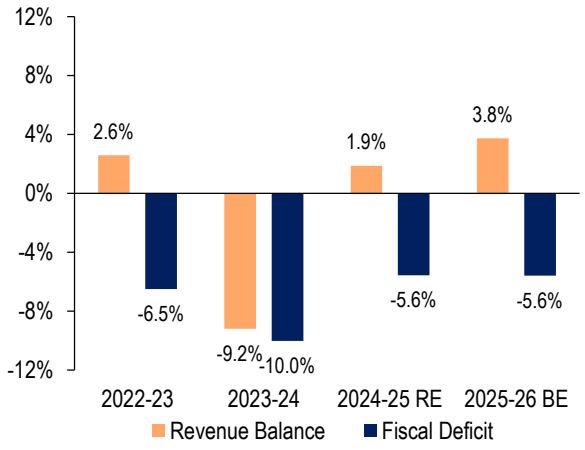

नोट: RE संशोधित अनुमान है; BE बजट अनुमान है। नेगेटिव आंकड़े घाटे का संकेत हैं। स्रोत: मध्यम अवधि की राजकोषीय नीति, जम्मू और कश्मीर बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

रेखाचित्र 3: बकाया ऋण (जीएसडीपी का %)

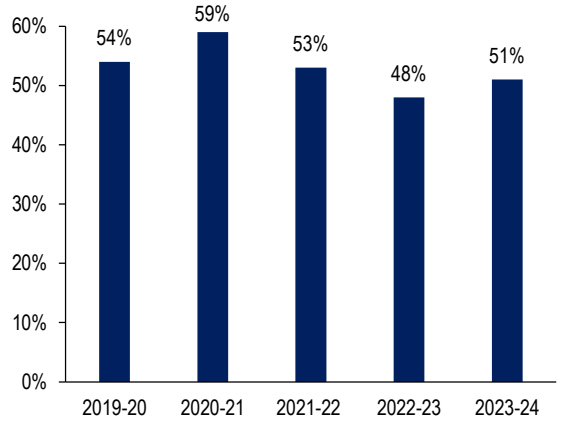

नोट: * बकाया ऋण में 30 अक्टूबर 2019 को समाप्त होने वाला शेष शामिल है जिसे अभी जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में विभाजित और रखा जाना है और इसमें बजट से बाहर की उधारी शामिल नहीं है। स्रोत: बजट पर एक नज़र, जम्मू और कश्मीर बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

बकाया सरकारी गारंटी: राज्यों के बकाया ऋण में कुछ अन्य देनदारियां शामिल नहीं हैं जो आकस्मिक प्रकृति की हैं और जिन्हें राज्यों को कुछ मामलों में चुकाना पड़ सकता है। राज्य सरकारें वित्तीय संस्थानों से राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (एसपीएसई) के उधार की गारंटी देती हैं। मार्च 2025 तक जम्मू और कश्मीर की बकाया गारंटी 23,631 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो इसकी जीएसडीपी का 8% है।

डिस्क्लेमर: प्रस्तुत रिपोर्ट आपके समक्ष सूचना प्रदान करने के लिए प्रस्तुत की गई है। पीआरएस लेजिसलेटिव रिसर्च (पीआरएस) के नाम उल्लेख के साथ इस रिपोर्ट का पूर्ण रूपेण या आंशिक रूप से गैर व्यावसायिक उद्देश्य के लिए पुनःप्रयोग या पुनर्वितरण किया जा सकता है। रिपोर्ट में प्रस्तुत विचार के लिए अंततः लेखक या लेखिका उत्तरदायी हैं। यद्यपि पीआरएस विश्वसनीय और व्यापक सूचना का प्रयोग करने का हर संभव प्रयास करता है किंतु पीआरएस दावा नहीं करता कि प्रस्तुत रिपोर्ट की सामग्री सही या पूर्ण है। पीआरएस एक स्वतंत्र, अलाभकारी समूह है। रिपोर्ट को इसे प्राप्त करने वाले व्यक्तियों के उद्देश्यों अथवा विचारों से निरपेक्ष होकर तैयार किया गया है। यह सारांश मूल रूप से अंग्रेजी में तैयार किया गया था। हिंदी रूपांतरण में किसी भी प्रकार की अस्पष्टता की स्थिति में अंग्रेजी के मूल सारांश से इसकी पुष्टि की जा सकती है।

अनुलग्नक 1: मुख्य क्षेत्रों में राज्य के व्यय की तुलना

निम्नलिखित रेखाचित्रों में छह मुख्य क्षेत्रों में अन्य राज्यों के औसत व्यय के अनुपात में जम्मू और कश्मीर के कुल व्यय की तुलना की गई है। क्षेत्र के लिए औसत, उस क्षेत्र में 31 राज्यों (जम्मू और कश्मीर सहित) द्वारा किए जाने वाले औसत व्यय (2024-25 के बजटीय अनुमानों के आधार पर) को इंगित करता है।[1]

- **शिक्षा**: जम्मू और कश्मीर ने 2025-26 में शिक्षा के लिए अपने व्यय का 14.3% आवंटित किया है। यह 2024-25 में विभिन्न राज्यों द्वारा शिक्षा के लिए औसत आवंटन (15%) से कम है।
- **स्वास्थ्य**: जम्मू और कश्मीर ने 2025-26 में स्वास्थ्य के लिए अपने व्यय का 8.3% आवंटित किया है। यह 2024-25 में विभिन्न राज्यों द्वारा स्वास्थ्य के लिए औसत आवंटन (6.2%) से अधिक है।
- **ग्रामीण विकास**: जम्मू और कश्मीर ने 2025-26 में ग्रामीण विकास के लिए अपने व्यय का 4.5% आवंटित किया है। यह 2024-25 में विभिन्न राज्यों द्वारा ग्रामीण विकास के लिए औसत आवंटन (5.1%) से कम है।
- **सड़कें और पुल**: जम्मू और कश्मीर ने 2025-26 में सड़कों और पुलों पर अपने व्यय का 3.4% आवंटित किया है। यह 2024-25 में विभिन्न राज्यों द्वारा सड़कों और पुलों के लिए औसत आवंटन (4.3%) से कम है।
- **ऊर्जा**: जम्मू और कश्मीर ने 2025-26 में ऊर्जा के लिए अपने व्यय का 11.7% आवंटित किया है। यह 2024-25 में विभिन्न राज्यों द्वारा ऊर्जा के लिए औसत आवंटन (5%) से अधिक है।
- **सिंचाई**: जम्मू और कश्मीर ने 2025-26 में सिंचाई पर अपने व्यय का 1.5% आवंटित किया है। यह 2024-25 में विभिन्न राज्यों द्वारा सिंचाई के लिए औसत आवंटन (3.4%) से कम है।

कुल बजट में शिक्षा पर व्यय का प्रतिशत

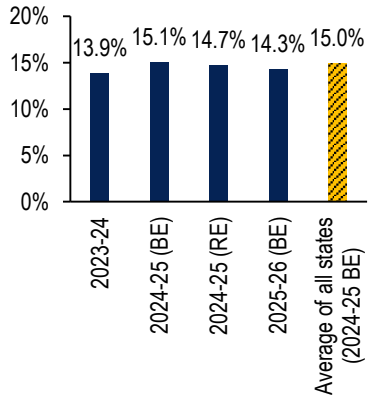

कुल बजट में स्वास्थ्य पर व्यय का प्रतिशत

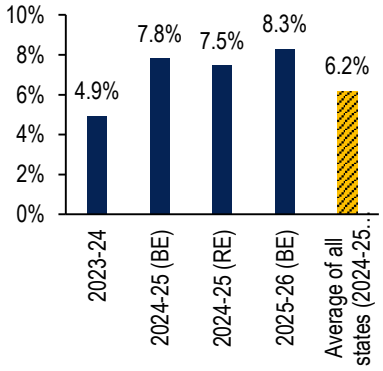

कुल बजट में ग्रामीण विकास पर व्यय का प्रतिशत

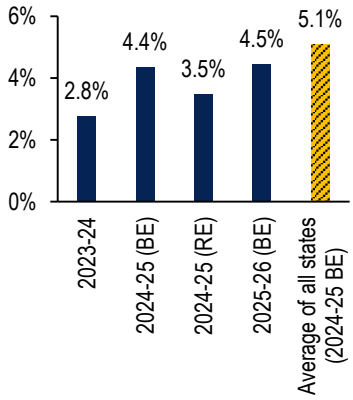

[1] 31 राज्यों में दिल्ली, जम्मू एवं कश्मीर और पुद्दूचेरी जैसे केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं।

कुल बजट में सड़क एवं पुल पर व्यय का प्रतिशत

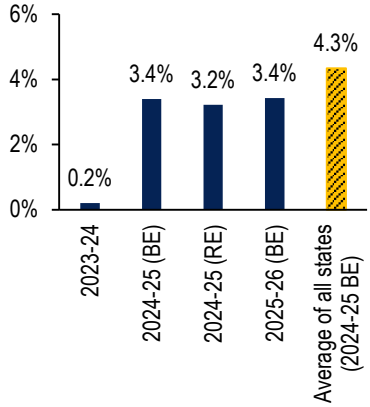

कुल बजट में ऊर्जा पर व्यय का प्रतिशत

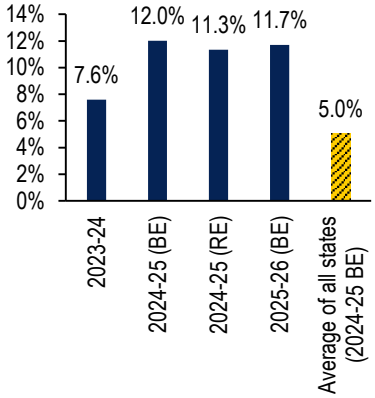

कुल बजट में सिंचाई पर व्यय का प्रतिशत

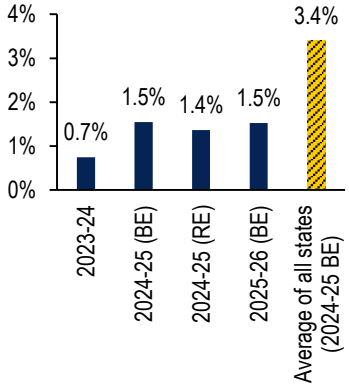

नोट: 2023-24, 2024-25 (बअ), 2024-25 (संअ), और 2025-26 (बअ) के आंकड़े जम्मू और कश्मीर के हैं।
स्रोत: वार्षिक वित्तीय वक्तव्य, जम्मू और कश्मीर बजट दस्तावेज 2025-26; विभिन्न राज्य बजट; पीआरएस।